अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

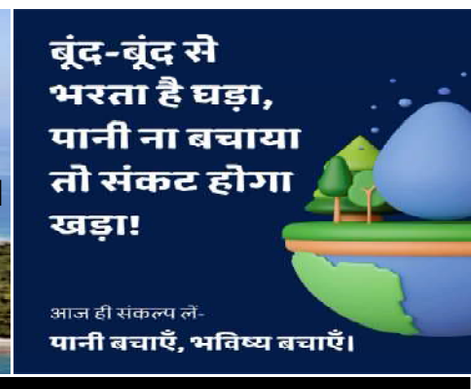

रजि.न.34300/80 संख्या 129 श्री विजय पुरम, शनिवार, 16 मई 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

शुभकामनाएँ

सिक्किम स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर, सिक्किम के लोगों, विशेष रूप से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में रहने वाले सिक्किमी समुदाय के सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई।

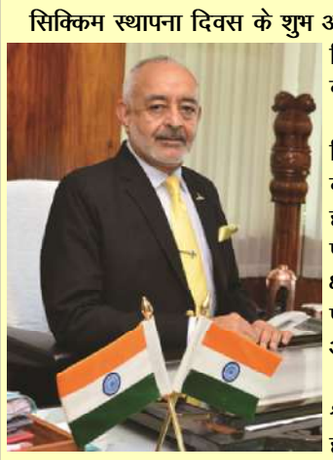

भव्य पर्वतों, शांत प्राकृतिक दृश्यों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण सिक्किम शांति, सद्भाव और सतत प्रगति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। 1975 में भारतीय संघ में शामिल होने के बाद से, राज्य ने जैविक खेती, पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन, शिक्षा और समावेशी सामाजिक–आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। सिक्किम का सफर परंपरा, पर्यावरण चेतना और आधुनिक आकांक्षाओं का एक आदर्श मिश्रण है।

इस वर्ष सिक्किम स्थापना दिवस का उत्सव 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की चिरस्थायी भावना की याद दिलाता है, जो हमारे राष्ट्र की एकता का जश्न राज्यों और लोगों की विविधता और उपलब्धियों के माध्यम से मनाता है।

सिक्किम की प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने के साथ–साथ विकास को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता पूरे देश को प्रेरित करती रहती है और संतुलित एवं टिकाऊ विकास के महत्व को उजागर करती है।

इस विशेष अवसर पर, सिक्किम के जनमानस शांति, प्रगति और सुख में समृद्ध होते रहें। मुझे विश्वास है कि राज्य एक सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा।

मैं एक बार फिर सिक्किम के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। आशा करता हूँ कि यह स्थापना दिवस गौरव और एकता की भावना को फिर से जगाए और एक विकसित भारत के निर्माण के हमारे सामूहिक संकल्प को मजबूत करे।

ह.
(एडमिरल डी.के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

शहीद द्वीप हेतु बेहतर दूरसंचार एवं डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए सांसद के प्रयास सफल

श्री विजय पुरम, 15 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने 3 अप्रैल, 2026 को भारत सरकार के माननीय संचार मंत्री के समक्ष शहीद द्वीप तक प्रत्यक्ष ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) कनेक्टिविटी स्थापित करने का विषय उठाया था। इसका उद्देश्य निवासियों एवं पर्यटकों के लिए विश्वसनीय नेटवर्क सुविधा, सुलभ डिजिटल सेवाएं तथा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के अन्य दूरस्थ द्वीपों में दूरसंचार संपर्क को सुदृढ़ करना था।

सांसद कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार माननीय सांसद के अनुरोध पर माननीय संचार मंत्री ने 11 मई, 2026 के अपने डी.ओ. पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि बीएसएनएल द्वारा हाल ही में नॉर्थ बे, श्री विजय पुरम से शहीद द्वीप तक एक नई उच्च क्षमता वाली कनेक्टिविटी लिंक प्रारंभ की गई है, जिससे द्वीप में नेटवर्क की स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा समग्र बैंडविड्थ उपलब्धता भी बढ़ी है।

माननीय मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के शेष द्वीपों तक समुद्र के भीतर बिछाई जाने वाली केबल कनेक्टिविटी का परीक्षण एवं अध्ययन करने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इसका उद्देश्य केंद्रशासित प्रदेश में डिजिटल एवं दूरसंचार संपर्क व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं विस्तारित करना है।

माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के दूरस्थ एवं पिछड़े द्वीपों में रहने वाले लोगों द्वारा लंबे समय से झेली जा रही कनेक्टिविटी समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय पहल करने पर माननीय संचार मंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

अबर्डीन युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि सभा 17 मई को

श्री विजय पुरम, 15 मई

वर्ष 1859 में लड़े गए अबर्डीन युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले ग्रेट अण्डमानी वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु 17 मई, 2026 को सुबह 9 बजे 'अबर्डीन युद्ध स्मारक' जल क्रीड़ा परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम में सभी लोगों से भाग लेने का अनुरोध किया गया है।

किसानों को विपणन सहायता हेतु 'फार्मर्स कॉर्नर' स्थापित

श्री विजय पुरम, 15 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के किसानों को उनके कृषि उत्पादों की बिक्री हेतु विपणन सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से कृषि विभाग के 'सेल आउटलेट–वाटिका–एग्रीकल्चर स्टोर' में 'फार्मर्स कॉर्नर' स्थापित कर कार्यरत किया गया है। यह केंद्र यहां के मिडिल प्वाइंट स्थित उद्योग परिसर के सागरिका एम्पोरियम भवन में संचालित किया जा रहा है।

इस केंद्र के माध्यम से किसानों द्वारा उत्पादित विभिन्न कृषि उत्पाद जैसे शुद्ध नारियल तेल, स्थानीय मसाले–दालचीनी, काली मिर्च, लौंग, जायफल, जावित्री, जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक चावल, शहद आदि आम जनता एवं पर्यटकों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विभागीय कृषि उत्पादों, मूल्य संवर्धित उत्पादों तथा किसानों के कृषि उत्पादों की बिक्री के लिए एकीकृत केंद्र उपलब्ध कराना है।

किसान अपने उत्पाद इस केंद्र में बिक्री हेतु निःशुल्क रख सकते हैं। इच्छुक किसानों को कृषि विभाग में पंजीकरण/नामांकन कराना होगा तथा बिक्री हेतु उपलब्ध उत्पादों की वस्तुवार मात्रा की जानकारी देनी होगी। पंजीकरण के लिए किसानों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र जमा करना होगा, जिसमें संपर्क नंबर, आइलैंडर कार्ड, आधार संख्या, बैंक खाता विवरण, एफएसएसएआई पंजीकरण/लाइसेंस आदि की जानकारी देना अनिवार्य होगा। प्रसंस्कृत उत्पादों के मामले में एफएसएसएआई पंजीकरण/लाइसेंस अनिवार्य है। पंजीकरण हेतु किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। बिक्री से प्राप्त राशि सीधे किसानों के बैंक खाते में जमा की जाएगी। कृषि निदेशक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पंजीकरण के लिए इच्छुक किसान सभी कार्य दिवसों में अपने निकटतम सब डिपो प्रभारी अथवा क्षेत्रीय अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। किसी भी अतिरिक्त सहायता हेतु संबंधित सब डिपो प्रभारी अथवा किसान कॉल सेंटर के दूरभाष संख्या 03192–243434 पर कार्य दिवसों में संपर्क किया जा सकता है।

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षा ने ली शपथ

श्री विजय पुरम, 15 मई

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षा का गरिमामय शपथ ग्रहण समारोह 14 मई, 2026 को सुबह 11 बजे मायाबंदर स्थित पोकाडेरा के सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया। पद एवं गोपनीयता की शपथ उत्तर व मध्य अण्डमान के उपायुक्त श्री सुशांत पधा (आईएएस) द्वारा दिलाई गई। उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री आर. अलागर स्वामी तथा नवनिर्वाचित उपाध्यक्षा श्रीमती अपर्णा रॉय ने अपर ज़िला मजिस्ट्रेट, ज़िला प्रशासन एवं ज़िला परिषद के अधिकारियों, सभी ज़िला परिषद सदस्यों तथा आमजन की उपस्थिति में शपथ ग्रहण की। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर उपायुक्त ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएँ देते हुए आशा व्यक्त की कि वे उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के लोगों के कल्याण एवं विकास के लिए सामूहिक रूप से कार्य करेंगे।

"संपर्क से समाधान–प्रशासन गांव की ओर" के अंतर्गत नींबूतला में ग्राम स्तरीय जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित

मायाबंदर, 15 मई

प्रशासन की सतत जनसंपर्क पहल "संपर्क से समाधान–प्रशासन गांव की ओर" के अंतर्गत 15 मई, 2026 को मध्य अण्डमान के नींबूतला स्थित ज़िला परिषद सामुदायिक भवन में जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर व मध्य अण्डमान के उपायुक्त श्री सुशांत पधा (आईएएस) ने की। इस अवसर पर रंगत के सहायक आयुक्त श्री दीपांशु वोहरा (दानिक्स), विभिन्न विभागों के प्रमुख तथा पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य प्रशासन एवं नागरिकों के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करना तथा जन शिकायतों का समयबद्ध निवारण कर ज़मीनी स्तर पर सुशासन को सुदृढ़ बनाना है। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित राजस्व शिविर अदालत में उप–विभाजन, नामांतरण तथा राजस्व अभिलेखों में नाम संशोधन से संबंधित अनेक मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। कार्यक्रम में लगभग 350 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें पंचायती राज संस्थाओं के सदस्य, विभिन्न कार्यालयों के प्रमुख एवं आमजन शामिल थे।

शेष पृष्ठ 4 पर

जागरूकता एवं परिवहन सेवा आउटरीच कार्यक्रम का दूसरा चरण मई से सितम्बर तक आयोजित होगा

श्री विजय पुरम, 14 मई

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का परिवहन निदेशालय, जो केंद्रशासित प्रदेश अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में सड़क सुरक्षा के लिए प्रमुख एजेंसी के रूप में कार्यरत है, मई से सितंबर, 2026 तक द्वीपों के विभिन्न पंचायत क्षेत्रों, ग्रामीण इलाकों तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में "समेकित सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं परिवहन सेवा आउटरीच कार्यक्रम (चरण–2)" का आयोजन कर रहा है।

यह कार्यक्रम परिवहन विभाग द्वारा संचालित सतत सड़क सुरक्षा जागरूकता पहलों के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, ज़िम्मेदार यातायात व्यवहार को प्रोत्साहित करना तथा विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों तक परिवहन संबंधी नागरिक सेवाएं उनके द्वार तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम का प्रथम चरण जून से अक्टूबर, 2025 के दौरान आयोजित किया गया था, जिसे जनता से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई तथा सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं विकेंद्रीकृत परिवहन सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई। प्रथम चरण के सकारात्मक परिणामों को आगे बढ़ाते हुए चरण–2 को दक्षिण अण्डमान, लिटिल अण्डमान, उत्तर व मध्य अण्डमान तथा निकोबार ज़िले में विस्तारित स्तर पर लागू किया जा रहा है।

कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित विषयों पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी :

- हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग का महत्व
- तेज गति एवं नशे की हालत में वाहन चलाने के दुष्परिणाम
- ज़िम्मेदार यातायात व्यवहार एवं यातायात अनुशासन
- पैदल यात्रियों की सुरक्षा
- आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं ट्रॉमा केयर संबंधी जागरूकता
- मोटर वाहन अधिनियम एवं सड़क सुरक्षा नियमों के प्रावधानों का पालन

जागरूकता सत्रों का संचालन परिवहन विभाग, पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता से किया जाएगा। शिविरों के दौरान प्राथमिक उपचार एवं ट्रॉमा केयर की मूलभूत तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी किया जाएगा।

जागरूकता गतिविधियों के अतिरिक्त शिविरों में विभिन्न जनहितकारी परिवहन सेवाएं भी मौके पर उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें शामिल हैं :

- लर्नर लाइसेंस सुविधा
- लर्नर लाइसेंस आवेदकों के लिए मौके पर चिकित्सीय परीक्षण
- लर्नर लाइसेंस परीक्षा का आयोजन
- ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण
- सड़क कर संग्रह
- पंजीकरण प्रमाण पत्र का नवीनीकरण
- परमिट संबंधी सेवाएं
- वाहन संबंधी सुविधा सेवाएं
- जन शिकायत निवारण एवं परिवहन सहायता सेवाएं

इस आउटरीच पहल के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में भी किया जाएगा। संबंधित संस्थानों में पात्र विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को लर्नर लाइसेंस परीक्षा एवं अन्य परिवहन सेवाओं की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

परिवहन विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में सभी ग्राम पंचायतों, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, शैक्षणिक संस्थानों, वाहन मालिकों, चालकों, विद्यार्थियों एवं आम जनता से कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है, ताकि द्वीपों में सड़क सुरक्षा जागरूकता को मजबूत किया जा सके तथा ज़िम्मेदार वाहन संचालन की संस्कृति को बढ़ावा मिल सके। (शेष पृष्ठ 3 पर)

आकाशवाणी का 90 वर्ष : निकोबारी लोक संगीत कार्यक्रम का आयोजन

श्री विजय पुरम, 15 मई

आकाशवाणी के 90 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के समागार में निकोबारी लोक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे तथा उन्होंने प्रस्तुत कलाकारों की जीवंत एवं आकर्षक प्रस्तुतियों की सराहना की।

कला एवं संस्कृति तथा आपदा प्रबंधन निदेशक सुश्री प्रियंका कुमारी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आकाशवाणी पिछले 90 वर्षों से निरंतर राष्ट्र की सेवा कर रही है तथा देश की सांस्कृतिक धरोहर एवं परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विशिष्ट अतिथि टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मंजुलता राव ने निकोबारी कलाकारों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए द्वीपों की पारंपरिक लोक संगीत एवं संस्कृति को संरक्षित रखने के उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का स्वागत भाषण देते हुए सहायक निदेशक (कार्यक्रम) श्रीमती मीना प्रकाश ने कहा कि आकाशवाणी पिछले 90 वर्षों से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं एवं विविध कला रूपों के संरक्षण एवं प्रचार–प्रसार के माध्यम से राष्ट्र की सेवा कर रही है। उन्होंने संगीत एवं संस्कृति के माध्यम से लोगों को जोड़ने में आकाशवाणी की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। शेष पृष्ठ 4 पर

उत्तर अण्डमान के डिगलीपुर में गोताखोरी केंद्रों के संचालन के लिए स्कूबा डाइविंग स्थलों की पहचान

श्री विजय पुरम, 15 मई

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय ने उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के पर्यटन क्षेत्र में अवकाश और मनोरंजक साहसिक जल क्रीड़ा गतिविधियों में विविधता लाने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। इस पहल के तहत, डिगलीपुर के आसपास स्कूबा डाइविंग स्थलों की पहचान की गई है ताकि आने वाले पर्यटकों और साहसिक गतिविधियों के शौकीनों को एक अनूठा स्कूबा डाइविंग अनुभव प्रदान किया जा सके। डिगलीपुर क्षेत्र में स्कूबा डाइविंग की अपार संभावनाएं हैं, जो इस क्षेत्र की समृद्ध समुद्री जैव विविधता और प्रवाल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करती हैं। इस क्षेत्र में स्कूबा डाइविंग को बढ़ावा देने और पर्यटकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कुल चार नए डाइविंग स्थलों की पहचान की गई है। पहचाने गए स्थलों का विवरण इस प्रकार है:–

क्र. सं.	स्थल का नाम	स्कूबा डाइविंग का प्रकार	कोर्डिनेट्स	गहराई की सीमा
1	रॉस और स्मिथ द्वीपसमूह के पास	किनारे पर गोताखोरी	13.307924 डिग्री उत्तर, 93.070824 डिग्री पूर्व	2 मीटर से 12 मीटर तक
2.	रॉस और स्मिथ ब्रिज के उत्तर पूर्व में	नाव गोताखोरी	13.306624 डिग्री उत्तर, 93.073193 डिग्री पूर्व	3 मीटर से 11 मीटर तक
3.	रॉस द्वीप से दूर छोटी दीवार	नाव गोताखोरी	13 डिग्री 17.606′ उत्तर, 093 डिग्री 4. 926′ पूर्व	8 से 10 मीटर (ऊपर) से 21 मीटर (नीचे की ओर ढलान)
4.	ऊबड़–खाबड़/हल्की ढलान वाली दीवार	नाव गोताखोरी	13 डिग्री 13.279′ उत्तर, 093 डिग्री 3. 981′ पूर्व	8 मीटर से 31 मीटर तक

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इन डाइविंग स्थलों की पहचान से उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के पर्यटन हितधारकों और नाव संचालकों की इस क्षेत्र में स्कूबा डाइविंग की क्षमता का दोहन करने के अवसरों का विस्तार करने की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होती है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारक और स्कूबा डाइविंग केंद्र/संचालक अब डिगलीपुर क्षेत्र में संचालन के लिए अपने स्कूबा डाइविंग केंद्रों का पंजीकरण करा सकते हैं और निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार स्कूबा डाइविंग गतिविधियां संचालित कर सकते हैं।

करेन समुदाय के 9 युवाओं ने प्राप्त किया अंतरराष्ट्रीय पीएडीआई प्रमाणन

श्री विजय पुरम, 15 मई

युवा सशक्तिकरण एवं रोज़गार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के मायाबंदर क्षेत्र में करेन समुदाय के बेरोज़गार

शेष पृष्ठ 4 पर

प्राकृतिक आपदाओं के दौरान पशुधन संरक्षण हेतु चारा प्रबंधन एवं आवश्यक सावधानियों पर सलाह

श्री विजय पुरम, 15 मई

आपदा प्रबंधन की तैयारियों के अंतर्गत पशुधन मालिकों एवं सार्वजनिक संस्थाओं की पशु कल्याण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान पशुधन पर पड़ने वाला सबसे बड़ा प्रभाव चारे की गंभीर कमी के रूप में सामने आता है, जिससे पशुओं के स्वास्थ्य, दुग्ध उत्पादन तथा किसानों की आजीविका पर प्रतिकूल असर पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों के प्रभाव को कम करने हेतु विभाग द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपाय अपनाने की सलाह दी गई है :

- चारा फसलों की खेती : पशुपालकों को उपलब्ध भूमि, खेतों की मेड़ों, तालाबों के किनारों एवं सामुदायिक क्षेत्रों में उच्च उत्पादन वाली चारा फसलें जैसे हाइब्रिड नेपियर, गिनी घास, मक्का, ज्वार, लोबिया तथा अन्य स्थानीय रूप से उपयुक्त किस्मों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।
- चारे का संरक्षण एवं भंडारण : किसानों को अतिरिक्त हरे चारे को सूखा चारा (हे) एवं साइलेज के रूप में संरक्षित करने की सलाह दी गई है। धान का पुआल एवं मक्का अवशेष जैसे फसल अवशेषों को आपातकालीन उपयोग हेतु सुरक्षित रूप से संग्रहित किया जाना चाहिए।
- चारा बैंक की स्थापना : आपातकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु गांव स्तर पर सूखा चारा, केंद्रित पशु आहार एवं खनिज मिश्रण के भंडारण के लिए चारा बैंक स्थापित किए जा सकते हैं।
- वैकल्पिक चारा स्रोत : अज़ोला, हाइड्रोपोनिक हरा चारा, वृक्ष आधारित चारा तथा स्थानीय रूप से उपलब्ध पशु आहार संसाधनों के बड़े पैमाने पर उपयोग एवं उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया गया है।
- पशु आहार का प्रभावी उपयोग : गर्भवती, दुग्ध देने वाली तथा छोटे पशुओं को प्राथमिकता के आधार पर चारा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। साथ ही पशुओं को खनिज मिश्रण एवं नमक का पूरक आहार देना अत्यंत आवश्यक बताया गया है।
- सुरक्षित भंडारण व्यवस्था : चारा एवं पशु आहार को वर्षा, बाढ़ एवं समुद्री जल के प्रवेश से बचाने के लिए ऊंचे एवं सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करने की सलाह दी गई है।
- पेयजल की तैयारी : आपदा संबंधी चेतावनी के दौरान पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल अग्रिम रूप से सुरक्षित रखने की आवश्यकता बताई गई है।
- सामुदायिक सहभागिता : पंचायतों, सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों एवं स्थानीय संस्थाओं को आपातकालीन परिस्थितियों में चारा उत्पादन, संरक्षण एवं वितरण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का आह्वान किया गया है।

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में सभी पशुपालकों से प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अपने पशुओं के स्वास्थ्य एवं उत्पादकता की सुरक्षा हेतु अग्रिम सावधानियां अपनाने तथा पर्याप्त मात्रा में चारा भंडारित रखने का अनुरोध किया गया है। किसी भी प्रकार के मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहायता के लिए पशुपालक अपने निकटतम पशु चिकित्सा संस्थान से संपर्क कर सकते हैं।

आईटीआई प्रशिक्षुओं के लिए ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण संपन्न

श्री विजय पुरम, 15 मई

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (एफएसआई), श्री विजय पुरम द्वारा सरकारी आईटीआई प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण कार्यक्रम (ओजेपी) का समापन कल एफएसआई परिसर में हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आईटीआई छात्रों को समुद्री मत्स्य क्षेत्र से संबंधित विभिन्न पहलुओं, मत्स्य उपकरण निर्माण, जाल मरम्मत, समुद्र में सुरक्षा तथा मत्स्य सर्वेक्षण पोतों से संबंधित परिचालन गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव एवं तकनीकी कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उप महानिदेशक (मत्स्य) श्री ए. टिबर्टियस ने अपने संबोधन में कौशल विकास, अनुशासन तथा व्यावहारिक औद्योगिक प्रशिक्षण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समुद्री एवं मत्स्य क्षेत्र में रोज़गार की विविध संभावनाएं उपलब्ध हैं तथा इस प्रकार का प्रशिक्षण युवाओं की रोज़गार क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आईटीआई, डॉलीगंज के प्रधानाचार्य श्री सीएच. वेंकटेश ने छात्रों को मूल्यवान औद्योगिक प्रशिक्षण अवसर उपलब्ध कराने के लिए भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के प्रति आभार व्यक्त किया तथा तकनीकी शिक्षा को सुदृढ़ बनाने में संस्थागत सहयोग के महत्व को रेखांकित किया।

अपने संबोधन में एफएसआई के मैकेनिकल मरीन इंजीनियर श्री बी. बालानायक ने कहा कि एफएसआई, श्री विजय पुरम केंद्र द्वारा पहली बार आईटीआई छात्रों के लिए 45 दिवसीय

ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी एफएसआई छात्रों के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए वास्तविक परिचालन प्रणालियों का व्यावहारिक ज्ञान एवं अनुभव प्राप्त करने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया। एफएसआई द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. सी. बाबू ने प्रतिभागियों का स्वागत किया, जबकि कार्यक्रम का समापन कनिष्ठ मत्स्य वैज्ञानिक श्री पूरन सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

करेन समुदाय के 9 युवाओं ने प्राप्त

पृष्ठ 1 का शेष

युवाओं के लिए व्यावसायिक डाइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया। इस पहल को गुरुग्राम स्थित द श्री राम स्कूल के कक्षा 12वीं के छात्र श्री फतेह जहाँ सिंह ढालीवाल द्वारा प्रायोजित किया गया, जो स्वयं एडवांस्ड ओपन वॉटर डाइवर हैं तथा एएनईटी, दक्षिण फाउंडेशन के साथ मिलकर प्रवाल भित्तियों के पुनर्जीवन के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को विशेष डाइविंग कौशल से प्रशिक्षित कर द्वीपों के पर्यटन एवं समुद्री क्षेत्र में रोज़गार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण का संचालन लैका डाइव्स के पीएडीआई प्रमाणित प्रशिक्षक द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम के समन्वय एवं सहयोग की ज़िम्मेदारी अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने अपने सामुदायिक जनसंपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत निभाई। प्रतिभागियों को स्कूबा डाइविंग एवं जलमग्न संचालन से संबंधित व्यापक व्यावहारिक एवं सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान युवाओं ने अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण का परिचय दिया। कुल 10 युवाओं ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जिनमें से 9 प्रतिभागियों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पीएडीआई प्रमाणन हासिल किया, जिससे डाइविंग एवं पर्यटन उद्योग में उनकी रोज़गार संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं।

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस इस प्रकार की पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के लिए कौशल विकास, युवा सशक्तिकरण एवं सतत आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के साथ–साथ द्वीपीय युवाओं के कल्याण एवं प्रगति के लिए सार्थक सामाजिक सहभागिता को भी प्रोत्साहित कर रही है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम पूर्ण होने के उपरांत पुलिस अधीक्षक (पीएमएफ) श्रीमती श्वेता के. सुगाथन (आईपीएस) ने प्रतिभागियों से संवाद किया तथा पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने युवाओं को प्राप्त कौशल का उपयोग कर आत्मनिर्भर एवं उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित किया।

आकाशवाणी का 90 वर्ष : निकोबारी लोक

पृष्ठ 1 का शेष

इस अवसर पर उप महानिदेशक श्री सी. सुब्बाराव ने कहा कि आकाशवाणी ने "बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय" के मूल मंत्र के साथ समाज की सेवा की है। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी सदैव जनकल्याण, सामाजिक जागरूकता एवं सांस्कृतिक एकता का सशक्त माध्यम रही है। कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत्त वरिष्ठ उद्घोषक श्री ज़ाकिर हुसैन द्वारा अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया गया, जिसकी दर्शकों ने खूब सराहना की। निकोबारी लोक गीतों एवं पारंपरिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा द्वीपों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर किया।

अंत में कार्यक्रम अधिकारी सुश्री जयशीला ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अतिथियों, कलाकारों, अधिकारियों एवं दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह कार्यक्रम आकाशवाणी की गौरवशाली 90 वर्षीय यात्रा तथा सांस्कृतिक एकता एवं जनसेवा के प्रति उसके निरंतर योगदान का सुंदर प्रतिबिंब रहा।

"संपर्क से समाधान–प्रशासन गांव की

पृष्ठ 1 का शेष

यह सहभागिता इस पहल के प्रति समुदाय के विश्वास एवं सक्रिय सहयोग को दर्शाती है।

सभा को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने उत्तरदायी, पारदर्शी एवं सुलभ प्रशासन के प्रति ज़िला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने विभागों के समन्वित प्रयास, सक्रिय जनसेवा तथा स्थानीय समुदायों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने पर बल दिया, ताकि जन शिकायतों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ज़िला प्रशासन द्वारा "संपर्क से समाधान–प्रशासन गांव की ओर" पहल का विस्तार उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के शेष गांवों तक निरंतर किया जाएगा, ताकि सरकारी सेवाएं एवं शिकायत निवारण तंत्र प्रत्येक घर तक समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

माहव्यापी थिएटर कार्यशाला के लिए रंगमंच प्रेमियों से प्रतिभागिता हेतु आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 15 मई

कला एवं संस्कृति निदेशालय द्वारा द्वीपों के युवाओं एवं आमजन के बीच रंगमंच कला को प्रोत्साहित करने के अपने सतत प्रयासों के तहत जून, 2026 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से माहव्यापी थिएटर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला का उद्देश्य रचनात्मकता को प्रेरित करना, अनुशासन की भावना विकसित करना तथा प्रदर्शन कला के प्रति सराहना उत्पन्न करना है, जिससे द्वीपों की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त बनाया जा सके।

थिएटर, नाटक एवं रंगमंच में रुचि रखने वाले द्वीपवासियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कार्यशाला में केवल 30 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय तथा कला एवं संस्कृति विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के अधिकारियों की चयन समिति द्वारा की जाएगी। आवेदकों की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए तथा उन्हें कार्यशाला में नियमित रूप से भाग लेने के प्रति प्रतिबद्ध होना आवश्यक है, ताकि प्रशिक्षण एवं अभ्यास का उच्चतम स्तर सुनिश्चित किया जा सके। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को अभिनय, मंच कला, वॉयस मॉड्यूलेशन, शारीरिक अभिव्यक्ति तथा नाट्य व्याख्या जैसे विषयों में गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आयोजित होगा। यह कार्यशाला प्रतिभागियों के कलात्मक कौशल को निखारने के साथ–साथ उनमें आत्मविश्वास, टीम भावना एवं सांस्कृतिक जागरूकता विकसित करने में भी सहायक सिद्ध होगी। यह भारत के प्रतिष्ठित रंगमंच संस्थानों में से एक से सीखने तथा द्वीपों के जीवंत सांस्कृतिक जीवन में योगदान देने का एक दुर्लभ अवसर है। कला एवं संस्कृति विभाग ने विद्यार्थियों, युवा पेशेवरों एवं प्रदर्शन कला के प्रति रुचि रखने वाले सभी लोगों से इस कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आग्रह किया है। निदेशक, कला एवं संस्कृति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यशाला एवं आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी कला एवं संस्कृति निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, सेल्यूलर जेल परिसर से प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक व्यक्ति श्री स्वदेश पांडेय, एचजीसी से मोबाइल नंबर 9474217212 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

निकोबार वन प्रभाग में 'मजदूर' पद हेतु शारीरिक परीक्षा स्तर–2 की तिथि घोषित

श्री विजय पुरम, 15 मई

सभी संबंधित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि निकोबार वन प्रभाग, कैंपबेल बे में 'मजदूर' पद हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसे 13 फरवरी, 2023 के स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया था। वे अभ्यर्थी, जिन्होंने 8 मई, 2026 से 14 मई, 2026 तक आयोजित स्तर–1 शारीरिक परीक्षा में भाग लिया था, उन्हें सूचित किया जाता है कि सफल अभ्यर्थियों की श्रेणीवार सूची तथा स्तर–2 शारीरिक परीक्षा की तिथि निकोबार वन प्रभाग, कैंपबेल बे, ग्रेट निकोबार के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त, स्तर–2 एवं स्तर–3 शारीरिक परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश एवं सूची वन विभाग की वेबसाइट ूणवितमेजण्ंदकण्दपबण्पद पर भी अपलोड कर दी गई है। स्तर–2 शारीरिक परीक्षा 17 मई, 2026 से ग्रेट निकोबार के कैंपबेल बे स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार शारीरिक परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा स्पष्टीकरण हेतु अभ्यर्थी निकोबार वन प्रभाग, कैंपबेल बे, ग्रेट निकोबार के भर्ती प्रकोष्ठ से व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष संख्या 9434283174 पर निर्धारित परीक्षा तिथि तक संपर्क कर सकते हैं।

खराब मौसम के कारण जलयान एवं फेरी सेवाओं में व्यवधान संभव

श्री विजय पुरम, 15 मई

आम जनता एवं पर्यटकों को सूचित किया गया है कि वर्तमान प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के कारण जहाज़रानी सेवा निदेशालय को मुख्यभूमि, अंतर–द्वीपीय एवं फोरशोर सेक्टर के जलयानों की सेवाएं अल्प सूचना पर स्थगित अथवा रद्द करनी पड़ सकती हैं। यात्रियों एवं जलयानों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसी प्रकार चाथम, बम्बूफ्लाट, डंडस प्वाइंट, होपटाउन, फीनिक्स बे तथा अन्य बाहरी क्षेत्रों के बीच संचालित हार्बर एवं वाहन फेरी सेवाएं भी मौसम की स्थिति के अनुसार अल्प सूचना पर बाधित अथवा स्थगित की जा सकती हैं।

जहाज़रानी सेवा निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में यात्रियों एवं पर्यटकों को किसी भी असुविधा से बचने हेतु अपनी यात्रा की योजना उसी अनुसार बनाने की सलाह दी गई है। जहाज सेवाओं की अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए यात्री फीनिक्स बे स्थित सूचना काउंटर से दूरभाष नंबरों 03192–245555 / 232714 टोल फ्री नंबर 1800 345 2714 पर संपर्क कर सकते हैं।

भारी वर्षा की चेतावनी

श्री विजय पुरम, 15 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 16 एवं 17 मई को एक या दो स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी वर्षा (07 से 20 सेंटीमीटर) होने की संभावना है। इसके साथ ही 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाओं एवं वज्रपात सहित गरज के साथ वर्षा होने की भी संभावना व्यक्त की गई है।

18 मई को भी द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (07 से 11 सेंटीमीटर) होने तथा 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं एवं वज्रपात सहित गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है।

इसके अतिरिक्त, 19, 20 एवं 21 मई को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के कुछ स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं एवं वज्रपात सहित गरज के साथ वर्षा होने की संभावना जताई गई है। आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि अण्डमान तथा निकोबार तट तथा उससे सटे समुद्री क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं, जो कभी–कभी 60 किलोमीटर प्रति घंटे

तक पहुंच सकती हैं, जारी रहने की संभावना है। मछुआरों को 18 मई तक अण्डमान तथा निकोबार तट तथा समीपवर्ती समुद्री क्षेत्रों में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

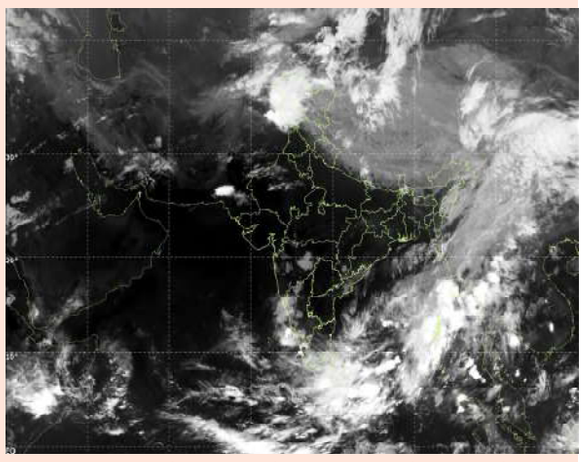

विम्बर्लीगंज में छात्रों के लिए माहव्यापी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

श्री विजय पुरम, 15 मई

उप शिक्षा कार्यालय, विम्बर्लीगंज, दक्षिण अण्डमान द्वारा विम्बर्लीगंज अंचल के विद्यालयी छात्रों के लिए 15 मई से 15 जून तक माहव्यापी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में फुटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन जैसी विभिन्न खेल गतिविधियां शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य, खेल भावना एवं खेल कौशल का विकास करना है।

प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में लगभग 80 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कर भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं खेल प्रेमियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली, जिससे क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन खेल गतिविधियों की सकारात्मक शुरुआत हुई। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार विम्बर्लीगंज के उप शिक्षा अधिकारी डॉ. मनोहरन ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई। सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा / खेल), विम्बर्लीगंज श्री बिस्वनाथ सेन तथा ग्राम पंचायत कन्यापुरम के प्रधान श्री अब्दुल बशीर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

No. M/55/2025-O/o SM(IMFL)-ANIIDCO_AN (E-136229)/723 दिनाक 14.05.2026

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह समन्वित विकास निगम लिमिटेड (अनिडको), श्री विजय पुरम कार्य आदेश की तारीख से शुरू होने वाली दो साल की अवधि के लिए चेन्नई से श्री विजय पुरम तक आईएमएफएल/बीयर/आरटीडी/ वाइन उत्पादों के संचालन/परिवहन के लिए ठेकेदार की नियुक्ति के लिए ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित करता है।

नियमों एवं शर्तों सहित विस्तृत निविदा दस्तावेज वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है या वरिष्ठ प्रबंधक (आईएमएफएल), अनिडको लिमिटेड, विकास भवन, श्री विजय पुरम – 744101 से कार्यालय कार्य समय के दौरान सभी कार्य दिवसों में 29/05/2026 तक प्राप्त किया जा सकता है।

ऑनलाइन ई–निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि 01/06/2026 को दोपहर 2.00 बजे तक है, जिसे उसी दिन शाम 4.30 बजे खोला जाएगा।

महाप्रबंधक (आईएमएफएल), अनिडको लिमिटेड

ई–निविदा सूचना

M-13/17/2024/ANIIDCO(IT)/78804/725 दिनांक 14.05.2026

अनिडको के कदमतला, रंगत, धर्मपुर, मायाबंदर–(टुगापुर, मोहनपुर) और डिग्लीपुर–(नबग्राम और सुभाषग्राम) स्थित मिल्क चिलिंग सेंटर के लिए सीसीटीवी कैमरे और संबंधित सहायक उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करने हेतु ऑनलाइन ई–टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं ।

निविदा के नियम और शर्तों युक्त दस्तावेज वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से डाऊनलोड कर सकते हैं अथवा वरिष्ठ प्रबंधक, (आईटी), अनिडको, विकास भवन, श्री विजय पुरम से भी सभी कार्य दिवसों के दौरान दिनांक 03/06/2026 के सायं 5.00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा दिनांक 04/06/2026 को दोपहर 2.00 बजे तक या उससे पहले ऑनलाइन https://eprocure.andamannicobar.gov.in भरी जानी चाहिए। दस्तावेज मुहरबंद लिफाफे में रखकर निगमित कार्यालय स्थित टेंडर बॉक्स में दिनांक 04/06/2026 को 3.00 बजे तक डाल दें, और तकनीकी बोली उसी दिन सायं 4.00 बजे निविदादाताओं या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधिगणों के समक्ष खोला जाएगा।

निगम के प्रबंध निदेशक, अनिडको के पास किसी भी निविदा को स्वीकार करने अथवा सभी को बिना कोई कारण बताए रद्द करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

नोडल अधिकारी (आईटी), अनिडको

ई–निविदा सूचना (दूसरी कॉल)

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह समन्वित विकास निगम लिमिटेड, विकास भवन, पोस्ट बॉक्स सं. 180, श्री विजय पुरम (अनिडको) की ओर से अलोनिवि या किसी अन्य सरकारी विभाग के ठेकेदारों से ऑनलाइन मद दर ई–निविदा (दूसरी कॉल) आमंत्रित की जाती हैं भले हो उनकी सूची इस शर्त पर हो कि उन्हें सीपीडब्ल्यूडी वर्क्स मैनुअल के रूप में और इन द्वीपों में अन्य भारत सरकार संगठन के साथ कार्य के प्रासंगिक परिमाण को क्रियान्वित करने का अनुभव है और उनके पास कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है :

एन.आई.टी.सं. अनिडको/सी.डब्ल्यू/26–27/टी.डी.–01

कार्य का नाम : अनिडको के तहत 2026–27 के दौरान डॉल्फिन रिसॉर्ट, स्वराज द्वीप में गैर–आवासीय भवनों की वार्षिक मरम्मत और रख–रखाव (कंक्रीट कार्य, क्लैडिंग कार्य, लकड़ी के काम, फर्श, छत, परिष्करण, भवन की मरम्मत, निराकरण और विध्वंस, स्वच्छता स्थापना और जल आपूर्ति कार्य)।

अनुमानित लागत : रु. 44,30,200/–

निविदा /बोली प्रसंस्करण शुल्क : लागू नहीं

बयाना राशि : रु. 88,604/–

कार्य पूर्ण करने की अवधि : 12 महीने, निविदा दस्तावेज प्रकाशन तिथि : 14/05/2026

निविदा दस्तावेज डाउनलोड/शुरू होने की तिथि: 14/05/2026 के अपराहन 3.00 बजे

निविदा दस्तावेज जमा करने की आरंभ तिथि : 18/05/2026 के पूर्वाह्न 10.00 बजे

निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि : 25/05/2026 के अपराहन 3.00 बजे

निविदा खोलने की तिथि : 26/05/2026 के पूर्वाह्न 11.00 बजे

निविदा प्रपत्र एवं अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

निविदा आईडी : 2026_ANCVL_22603_2

महाप्रबंधक (निर्माण कार्य)

शपथ पत्र

मैं, मोनिका केरकेट्टा, पुत्री श्री रॉबर्ट केरकेट्टा, निवासी पिलोन नल्लाह गाँव, किशोरीनगर, डिग्लीपुर तहसील, उत्तर एवं मध्य अण्डमान जिला, विधिवत शपथपूर्वक यह घोषित करती हूँ कि :–

1. मेरे 10वीं पास प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम गलती से "रोबिट केरकेट्टा" अंकित है, जबकि सही नाम "रॉबर्ट केरकेट्टा" है तथा मेरी माता का नाम "एलिश किडो" अंकित है, जबकि जन्म प्रमाण पत्र में सही नाम "एलिश किरो" दर्ज है।
2. मेरे पिता का वास्तविक एवं सही नाम "रॉबर्ट केरकेट्टा" है तथा मेरी माता का वास्तविक एवं सही नाम "एलिश किरो" है।
3. "रोबिट केरकेट्टा" एवं "रॉबर्ट केरकेट्टा" एक ही एवं समान व्यक्ति हैं तथा "एलिश किडो" एवं "एलिश किरो" भी एक ही एवं समान व्यक्ति हैं।
4. यह शपथ पत्र मैं इस उद्देश्य से प्रस्तुत कर रही हूँ कि मेरे पिता का सही नाम "रॉबर्ट केरकेट्टा" तथा मेरी माता का सही नाम "एलिश किरो" घोषित किया जा सके, जो मेरे नाम से पासपोर्ट प्राप्त करने तथा अन्य सभी प्रयोजनों हेतु आवश्यक है।

अतः यह शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाता है। शपथकर्ता

AFFIDAVIT / SELF DECLARATION

1. I, SHARMILA (SEN) MALLA wife of Army No. 5351419F Rank HAV Name RAJYA MALLA residing at Brichgunj Military Station, Sri Vijaya Puram, South Andaman, A & N Islands, do hereby solemnly affirm and state on oath as follows:

(a) That my name and date of birth is included in my husband's service record as SARMILA MALLA and Date of Birth as 24.07.1985. However my name and date of birth as per my documents and records is SHARMILA (SEN) MALLA, Date of Birth 27.07.1985 and I wish to record my name as SHARMILA (SEN) MALLA and date of birth as 27.07.1985 in my husband's service records.

(b) That, I am producing this Affidavit for the purpose of evidence for my actual name and date of birth.

(c) That what is stated above is true and correct to best of my knowledge, information and belief. Nothing material has been concealed there from.

VERIFICATION

I, the deponent above named, do hereby solemnly declare and verify that the contents of the above affidavit are true to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or suppressed there from.

Date: 14.05.2026

Place: Sri Vijaya Puram

Deponent

एनएचएआई का प्रोजेक्ट सक्षम महिलाओं और युवाओं के लिए बना सशक्तिकरण का माध्यम

नई दिल्ली, 15 मई। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण –एनएचएआई ने वर्टिस फाउंडेशन के सहयोग से प्रोजेक्ट सक्षम के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सतत आजीविका के अवसरों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम चलाकर सशक्त बनाया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य दीर्घकालिक आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सशक्तिकरण के मार्ग प्रशस्त करना है। प्रोजेक्ट सक्षम देश भर में 12 प्रशिक्षण केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से संचालित होता है, जो वंचित समुदायों को उद्योग से संबंधित कौशल और औपचारिक कार्यबल में प्रवेश के अवसर प्रदान करता है। इस पहल के तहत छह हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से चार हजार से अधिक को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार मिला है।

अब आधार कार्ड से नहीं होगी जन्मतिथि की पहचान, उम्र के सबूत के तौर पर मान्य होंगे सिर्फ ये डॉक्यूमेंट

नई दिल्ली, 15 मई। अगर आप भी हर छोटे–बड़े काम के लिए जेब से अपना आधार कार्ड निकालकर दे देते हैं और इसे अपनी जन्मतिथि (Date of Birth) का पक्का सबूत मानते हैं, तो आपको सावधान होने की जरूरत है। यूआईडीएआई ने एक बेहद अहम बयान जारी करते हुए साफ कर दिया है कि आधार कार्ड को किसी भी हाल में जन्मतिथि के आधिकारिक और पक्के प्रमाण के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। यूआईडीएआई ने स्पष्ट किया है कि यह कार्ड सिर्फ आपकी पहचान और पते का प्रमाण है, न कि आपकी उम्र का।

देश भर में लंबे समय से लोग बैंकिंग से लेकर स्कूल में बच्चों के एडमिशन और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तक, हर जगह जन्मतिथि के सबूत के तौर पर बेझिझक आधार कार्ड का इस्तेमाल करते आ रहे हैं। इस ताजा अपडेट के सामने आने के बाद कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर कार्ड पर जन्मतिथि छपी होने के बावजूद इसे वैध क्यों नहीं माना जा रहा है और अब इसके बिना काम कैसे चलेगा।

यूआईडीएआई ने इस नियम के पीछे की सबसे बड़ी वजह स्पष्ट करते हुए बताया है कि आधार कार्ड बनवाते समय दर्ज की गई जन्मतिथि हमेशा पूरी तरह से वेरीफाइड (सत्यापित) नहीं होती। कई बार लोग बिना किसी पक्के सरकारी दस्तावेज के ही अपनी डेट ऑफ बर्थ डिक्लेयर कर देते हैं या सिर्फ अनुमान के आधार पर इसे दर्ज करवा लेते हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि आपके आधार में जो जन्मतिथि लिखी है, वह जरूरी नहीं कि सरकारी रिकॉर्ड के हिसाब से सौ फीसदी सही हो। यही वजह है कि सिर्फ यूआईडीएआई ही नहीं, बल्कि कई अदालतों और

सरकारी विभागों ने भी यह पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि आधार को उम्र का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। अदालतों का भी यही मानना है कि जन्मतिथि साबित करने के लिए स्कूल सर्टिफिकेट या जन्म प्रमाण पत्र आधार से कहीं ज्यादा भरोसेमंद होते हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर जन्मतिथि के लिए आधार नहीं चलेगा, तो फिर किन दस्तावेजों की जरूरत पड़ेगी। अगर आपको कहीं आधिकारिक रूप से अपनी उम्र या जन्मतिथि साबित करनी है, तो आपको कुछ चुनिंदा वैध दस्तावेजों का ही इस्तेमाल करना होगा। इसके लिए आप अपना आधिकारिक जन्म प्रमाण पत्र, 10वीं कक्षा की मार्कशीट, पासपोर्ट या फिर किसी अधिकृत सरकारी अधिकारी द्वारा जारी किया गया जन्मतिथि प्रमाण पत्र दे सकते हैं। यूआईडीएआई के नियमों के तहत भी इन्हीं मजबूत दस्तावेजों के आधार पर ही आधार कार्ड में डेट ऑफ बर्थ को 'वेरीफाई' माना जाता है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि आप अपने सही जन्मतिथि प्रमाण पत्र तैयार रखें, वरना आगे चलकर आपके कई जरूरी काम बीच में ही अटक सकते हैं।

भारत में तेजी से बढ़ेंगी इलेक्ट्रिक बसें, वित्त वर्ष 35 तक 40 प्रतिशत तक पहुंचा जाएगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 15 मई। भारत में इलेक्ट्रिक बसों की हिस्सेदारी वार्षिक बिक्री में वित्त वर्ष 35 तक बढ़कर 35–40 प्रतिशत हो सकती है, जो कि फिलहाल करीब 7 प्रतिशत के आसपास है। इस दौरान पब्लिक ट्रांसपोर्ट में ईवी बसों की हिस्सेदारी बढ़कर 85 प्रतिशत से अधिक हो सकती है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

केपीएमजी की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत की वार्षिक बिक्री 35,000 से 50,000 यूनिट्स की है और अब यह इलेक्ट्रिफिकेशन के नए दौरान में प्रवेश कर रहा है। सरकारी खरीद और इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश इस सेक्टर के अगले ग्रोथ फैक्टर्स होंगे।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि भारत में यात्रियों द्वारा तय की गई कुल दूरी का लगभग 57 प्रतिशत बसों द्वारा तय किया जाता है, ऐसे में इस क्षेत्र का इलेक्ट्रिफिकेशन देश की क्लीन मोबिलिटी और कार्बन उत्सर्जन कम करने की महत्वाकांक्षाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केपीएमजी इंडिया के ऑटोमोटिव पार्टनर और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लीड रोहन राव ने कहा,"भारत में इलेक्ट्रिक बसों की ओर बदलाव अब केवल नीतिगत पहल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक मोबिलिटी इकोसिस्टम के लिए एक संरचनात्मक परिवर्तन का अवसर बन रहा है। सरकारी खरीद कार्यक्रमों, लागत में सुधार और इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़ते निवेश के समर्थन से सार्वजनिक परिवहन के विद्युतीकरण ने पहले ही मजबूत गति पकड़ ली है।"

उन्होंने बताया कि आगे चलकर, घरेलू मैन्युफैक्चरिंग, फाइनेंसिंग इनोवेशन, चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार और

परिचालन दक्षता को संयोजित करने वाले एक स्केलेबल इकोसिस्टम के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, ताकि सार्वजनिक और निजी परिवहन दोनों क्षेत्रों में सतत दीर्घकालिक विकास को समर्थन मिल सके।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में लगभग 62,000 ई–बस टेंडर जारी किए गए हैं, जिनमें से लगभग 46,000 बसें विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत आवंटित की गई हैं। मार्च 2026 तक भारतीय सड़कों पर लगभग 16,300 इलेक्ट्रिक बसें चल रही थीं, जो मजबूत गति और तैनाती संबंधी चुनौतियों दोनों को दर्शाती हैं।

भारत में वर्तमान ई–बस तैनाती का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सरकार द्वारा संचालित टेंडरों और सार्वजनिक परिवहन उपक्रमों के माध्यम से हुआ है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि केंद्र और राज्य के नेतृत्व वाली पहलों के माध्यम से वित्त वर्ष 2030 तक लगभग 40,000 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसों के लिए टेंडर जारी किए जाने की उम्मीद है। (इनपुट–आईएएनएस)

नीट (यूजी) 2026: पेपर लीक विवाद के बीच दोबारा होगी परीक्षा, एनटीए ने जारी की नई तारीख

नई दिल्ली, 15 मई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने पेपर लीक विवाद के बाद नीट (यूजी) 2026 परीक्षा रद्द कर दी है। अब यह परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी। इस संबंध में एनटीए ने शुक्रवार को घोषणा की कि नई परीक्षा 21 जून 2026 (रविवार) को होगी। यह फैसला भारत सरकार की मंजूरी के बाद लिया गया है। इस फैसले से देशभर के करीब 22 लाख छात्रों और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है, जो पिछले कई दिनों से अनिश्चितता में थे।

एनटीए ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर पोस्ट करते हुए बताया, "नीट (यूजी) 2026–परीक्षा तिथि की घोषणा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने भारत सरकार की स्वीकृति से नीट (यूजी) 2026 की परीक्षा को दोबारा 21 जून 2026 को आयोजित करने का निर्णय लिया है।"

एजेंसी ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें और किसी भी अफवाह से बचें।

एनटीए ने संपर्क नंबर भी जारी किए हैं– 011–40759000 और 011–69227700

ज्ञात हो, 3 मई 2026 को आयोजित हुई नीट यूजी परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपर लीक और गड़बड़ी के आरोप सामने आए थे। शुरुआती जांच में परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे। इसी के बाद परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया गया और अब इसे नए सिरे से आयोजित करने की तैयारी है।

पूरे मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई है। सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि पेपर लीक के पीछे कौन सा नेटवर्क या सिंडिकेट सक्रिय था और इसमें कौन–कौन शामिल है।

वहीं एनटीए ने छात्रों को आश्वासन दिया है कि नई परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से आयोजित की जाएगी। (इनपुट–एजेंसी)

इतिहास के पन्नों में 16 मई: भारतीय राजनीति में अटल बिहारी वाजपेयी का पहला कार्यकाल

नई दिल्ली, 15 मई। भारत के राजनीतिक इतिहास में 16 मई का दिन एक अहम मोड़ के रूप में दर्ज है, जब वर्ष 1996 के आम चुनाव के बाद देश में सत्ता का नया अध्याय शुरू हुआ। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 161 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

इसी क्रम में 16 मई 1996 को वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। हालांकि यह सरकार बहुमत साबित नहीं कर सकी और मात्र 13 दिनों में गिर गई। भारतीय संसदीय इतिहास में यह अब तक का सबसे छोटा प्रधानमंत्री कार्यकाल माना जाता है।

इसके बाद 1998 में मध्यावधि चुनाव हुए, जिसमें एक बार फिर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी और एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन बनकर उभरा। इस जनादेश के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने 19 मार्च 1998 को दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। लेकिन यह सरकार भी अधिक समय तक स्थिर नहीं रह सकी और करीब 13 महीने बाद उसे इस्तीफा देना पड़ा।

राजनीतिक अस्थिरता के बीच 1999 में एक बार फिर देश को मध्यावधि चुनावों का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 303 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल किया और सत्ता में वापसी की। इसके बाद वाजपेयी ने 10 अक्टूबर 1999 को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

यह सरकार अपेक्षाकृत अधिक स्थिर रही और अपने कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसले लिए गए। हालांकि बाद में कार्यकाल पूरा होने से लगभग छह महीने पहले ही मध्यावधि चुनाव कराने का निर्णय लिया गया, जो राजनीतिक दृष्टि से एक बड़ा दांव माना गया।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1911– कलकत्ता (अब कोलकाता) में बने तल्लाह वाटर टैंक का निर्माण पूरा। इसे उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ओवरहैड वाटर टैंक कहा गया था।

1920– फ्रांसीसी स्वतंत्रता सेनानी, सेनापति जॉन ऑफ आर्क को संत की उपाधि दी गई।

1960– भारत और ब्रिटेन के बीच अंतरराष्ट्रीय टेलेक्स सेवा की शुरुआत।

1975 – सिक्किम को 22वें राज्य के रूप में भारतीय संघ में शामिल किया गया।

1999 – दक्षेस का 2002 ई. में होने वाला शिखर सम्मेलन थिम्पू में कराये जाने की घोषणा।

2006 – हॉलीवुड की चर्चित अदाकारा ऑस्कर पुरस्कार के लिए नामित नाओमी वाट्स को संयुक्त राष्ट्र संस्था का राजदूत बनाया गया।

2006 – न्यूजीलैंड के 47 वर्षीय मार्क इंजलिस ऐसे पहले पर्वतारोही बन गये, जिन्होंने कृत्रिम पैरों के सहारे एवरेस्ट की चोटी पर झण्डा फहराया।

2008 – उच्चतम न्यायालय ने केन्द्रीय शिक्षण संस्थानों के स्नाकोत्तर पाठ्यक्रमों में 27% ओबीसी कोटा पर रोक के कोलकाता उच्च न्यायालय के निर्णय को खारिज कर दिया।

2010 – सुल्तान अजलान शाह कप हॉकी प्रतियोगिता में पीटीआई पिछले विजेता भारत और दक्षिण कोरिया को बारिश के कारण मैच न होसकने पर संयुक्त विजेता घोषित किया गया।

2013 – अमेरिकी वैज्ञानिकों को पहली बार क्लोन किए गए इंसानी भ्रूण से स्टेम सेल निकालने में सफलता मिली।

बंद इंजन में भी ऊपर की तरफ खिंचने लगती है गाड़ी! क्या है लद्दाख की 'मैग्नेटिक हिल' का रहस्य

नई दिल्ली, 15 मई। लद्दाख की ऊबड़–खाबड़ और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच, समुद्र तल से लगभग 14,000 फीट की ऊंचाई पर एक ऐसा रहस्य छिपा है, जो ग्रैविटी के नियमों को भी चुनौती देता नजर आता है। लेह–कारगिल–श्रीनगर हाईवे पर स्थित इस जगह को मैग्नेटिक हिल कहते हैं।

यहां का नजारा किसी जादू से कम नहीं है, इंजन बंद होने के बावजूद गाड़ियां अपने आप ढलान से ऊपर की ओर चढ़ने लगती हैं। यह देखकर हर किसी के मन में यही सवाल उठता है कि क्या सच में इस पहाड़ के अंदर कोई विशाल चुंबक छिपा है या फिर यह हमारी आंखों और साइंस का कोई खेल है?

मैग्नेटिक हिल पर प्रशासन ने एक जगह को चिह्नित किया हुआ है। जब पर्यटक अपनी गाड़ी को उस बॉक्स के अंदर न्यूट्रल गियर में खड़ा करते हैं, तो गाड़ी धीरे–धीरे 10 से 20 किमी/घंटा की रफ्तार से ऊपर की ओर बढ़ने लगती है। यह देखकर किसी का भी हैरान होना स्वाभाविक है, क्योंकि ग्रैविटी के नियम के अनुसार चीजों को नीचे की ओर लुढ़कना चाहिए, न कि ऊपर की ओर।

दरअसल यह कोई जादुई या चुंबकीय शक्ति नहीं है, बल्कि एक ऑप्टिकल इल्यूजन है। इसे दुनिया भर में ग्रेविटी हिल के नाम से भी जाना जाता है।

इस सड़क के आसपास का भूगोल और ढलान कुछ इस तरह की है कि जो सड़क असल में नीचे की ओर जा रही है, वह देखने में ऊपर की ओर जाती हुई नजर आती है।

आसपास की पहाड़ियों का लेआउट और होरिजन न होने के कारण हमारी आंखें भ्रमित हो जाती हैं। हमें लगता है कि गाड़ी ऊपर जा रही है, जबकि असल में वह ग्रैविटी के कारण नीचे की ओर ही लुढ़क रही होती है।

विज्ञान से परे, लद्दाख के निवासियों के पास इस जगह को लेकर अपनी पुरानी मान्यताएं हैं। स्थानीय लोग मानते हैं कि कभी यहां से स्वर्ग जाने का रास्ता हुआ करता था। उनके अनुसार, यह शक्ति केवल उन लोगों को ऊपर खींचती थी जो इसके योग्य होते थे, जबकि अयोग्य लोग कभी आगे नहीं बढ़ पाते थे। आज भी कई पर्यटक इसे एक आध्यात्मिक अनुभव के रूप में देखते हैं।

अगर आप भी इस रहस्य को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं, तो मई से सितंबर के बीच यहां जाना सबसे अच्छा है। इस समय मौसम सुहावना होता है और सड़कें पूरी तरह खुली रहती हैं।

सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं परिवहन सेवा——— पृष्ठ 1 का शेष

एकीकृत सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं परिवहन सेवा आउटरीच कार्यक्रम, चरण–II के लिए अनुसूची

SOUTH ANDAMAN DISTRICT		
Sl. No.	**Panchayat(s)**	**Schedule**
1.	GP Beodnabad	3rd week of May 2026
2.	GP Calicut	
3.	GP Sippighat	4th week of May 2026
4.	GP Chouldari	
5.	GP Shoal Bay	1st week of June 2026
6.	GP Mannarghat	
7.	GP Wimberly Gunj	2nd week of June 2026
8.	GP Kanyapuram	
9.	GP Stewartgunj	
10.	GP Bambooflat-I	3rd week of June 2026
11.	GP Bambooflat-II	
12.	GP Shore Point	
13.	GP Hope Town	
14.	GP Ferrargunj	4th week of June 2026
15.	GP Bindraban	
16.	GP Namunaghar	
17.	GP Mithakhari	
18.	GP Collinpur	2nd week of July 2026
19.	GP Tushnabad	
20.	GP Humphrey Gunj	
21.	GP Wandoor	3rd week of July 2026
22.	GP Guptapara	
23.	GP Shaheed Dweep	3rd week of May 2026
24.	GP Swaraj Dweep	4th week of May 2026
LITTLE ANDAMAN		
25.	Harminder Bay	3rd week of May 2026
26.	GP Hut Bay	4th week of May 2026
27.	GP Netaji Nagar	
28.	GP Ramakrishna Pur	1st week of June 2026
29.	GP Rabindra Nagar	2nd week of June 2026
30.	GP Vivekananda Pur	
NORTH & MIDDLE ANDAMAN DISTRICT		
DIGLIPUR		
1.	GP Nabagram	3rd week of May 2026
2.	GP Kalighat	
3.	GP Ram Nagar	
4.	GP Kishori Nagar	4th week of May 2026
5.	GP Paschim Sagar	
6.	GP Madhupur	1st week of June 2026
7.	GP Laxmipur	
8.	GP Radhanagar	2nd week of June 2026
9.	GP Keralapuram	
10.	GP Gandhi Nagar	
11.	GP Shibpur	
12.	GP Diglipur	3rd week of June 2026
13.	GP Subhash Gram	
14.	GP R.K. Gram	
15.	GP Sita Nagar	
MAYABUNDER		
16.	GP Mayabunder	4th week of June 2026
17.	GP Pokadera	
18.	GP Karmatang	
19.	GP Rampur	
20.	GP Pahalgaon	2nd week of July 2026
21.	GP Chainpur	
22.	GP Hari Nagar	3rd week of July 2026
23.	GP Basantipur	
24.	GP Swadesh Nagar	
RANGAT		
25.	GP Shivapuram	4th week of July 2026
26.	GP Rangat	5th week of July 2026
27.	GP Nimbutala	
28.	GP Parnashala	
29.	GP Sabari	
30.	GP Dasharathpur	
31.	GP Bakultala	2nd week of August 2026
32.	GP Kaushalya Nagar	
33.	GP Urmilapur	
KADAMTALA & BARATANG		
34.	GP Shivapuram	3rd week of August 2026
35.	GP Uttara	
36.	GP Nilambur	4th week of August 2026
37.	GP Sundergrah	
38.	GP Long Island	1st week of September 2026

NICOBAR DISTRICT		
CAR NICOBAR		
Sl. No.	**Area/Locality**	**Schedule**
1.	Perka	3rd week of May 2026
2.	Malacca	
3.	Kakana	
4.	Tamaloo	
5.	Kinyunka	
6.	Chuchuka	4th week of May 2026
7.	Tapoing	
8.	Big Lapathy	
9.	Small Lapathy	
10.	Mus	
11.	Kinmaii	
12.	Teetop	1st week of June 2026
13.	Sawaii	
14.	Arong	
15.	Kimius	
NANCOWRIE & TERESSA		
16.	Gol Tikry	2nd Week of June 2026
17.	Kamorta	
18.	Sahanu	
19.	Chota Enaka	
20.	Bada Enaka	
21.	Vikas Nagar	3rd Week of June 2026
22.	Kakana	4th Week of June 2026
23.	Pilpillow	
24.	Champin	2nd Week of July 2026
25.	Tapong	
26.	Terassa	3rd Week of July 2026
KATCHAL		
27.	Mil Dera	5th Week of July 2026
28.	Salo Tikry	
29.	Japan Tikry	2nd Week of August 2026
30.	Beach Dera	
31.	MRN	
32.	E Wall	
CAMPBELL BAY		
33.	GP Campbell Bay	3rd Week of August 2026
34.	GP Govind Nagar	4th Week of August 2026
35.	GP Laxmi Nagar	

HIGHER EDUCATIONAL INSTITUTIONS		
Sl. No.	**Name of Institution**	**Schedule**
1.	Andaman Law College	3rd week of May 2026
2.	JNRM	4th week of May 2026
3.	TGCE	3rd week of May 2026
4.	DBRAIT	4th week of May 2026
5.	ANCOL	3rd week of May 2026
6.	DIET	4th week of May 2026
7.	ANIIMS	1st week of June 2026
8.	MGGC	3rd week of May 2026

भ्रामक विज्ञापनों के लिए कोचिंग संस्थानों पर जुर्माना लगाया गया

नई दिल्ली, 15 मई।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापनों, अनुचित व्यापार प्रथाओं और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अंतर्गत उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन में लिप्त पाए जाने पर मोशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ 10 लाख रुपये का जुर्माना और सीकर स्थित करियर लाइन कोचिंग (सीएलसी) के खिलाफ 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए अंतिम आदेश पारित किया है। यह निर्णय उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के उल्लंघन में किसी भी वस्तु या सेवा के संबंध में कोई झूठा या भ्रामक विज्ञापन न दिया जाए।

ब्रिक्स देशों ने वैश्विक दक्षिण के महत्व और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था पर दिया जोर

नई दिल्ली, 15 मई।

ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक 14 और 15 मई को नई दिल्ली में आयोजित की गई। पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के बीच हो रही इस बैठक के बाद कोई संयुक्त वक्तव्य जारी नहीं किया गया। हालांकि अध्यक्षीय वक्तव्य और परिणाम दस्तावेज जारी किया गया। मंत्रियों ने कहा कि ब्रिक्स अब वैश्विक दक्षिण के लिए प्रभावशाली मंच बन चुका है और भविष्य में इसका संस्थागत विस्तार तथा सहयोग और मजबूत किया जाएगा।

इसमें बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र सुधार, आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता, गाजा में युद्धविराम, विकासशील देशों की मजबूत भागीदारी और वैश्विक शासन को अधिक न्यायसंगत, लोकतांत्रिक तथा संतुलित बनाने पर सबसे अधिक जोर दिया गया।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी में बताया गया है कि ब्रिक्स विदेश मंत्रियों ने वैश्विक राजनीति, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और बहुपक्षीय सहयोग से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' विषय के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया गया।

बैठक में अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता देने की बात कही गई। मंत्रियों ने गाजा, लेबनान, सूडान, सीरिया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए युद्धविराम, मानवीय सहायता और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का समर्थन किया। फिलिस्तीन के लिए दो–राष्ट्र समाधान तथा संयुक्त राष्ट्र में उसकी पूर्ण सदस्यता के समर्थन को दोहराया गया।

आतंकवाद के मुद्दे पर ब्रिक्स देशों ने सभी प्रकार के आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की। 22 अप्रैल 2025 को

जम्मू–कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की भी कड़ी आलोचना की गई, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। सदस्य देशों ने आतंकवाद के खिलाफ 'शून्य सहिष्णुता' की नीति अपनाने और सीमा पार आतंकवाद, आतंक वित्तपोषण तथा सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता बताई।

भारत ने सीसीडीबी का अध्यक्ष पद संभाला

भारत को कॉमन क्राइटेरिया डेवलपमेंट बोर्ड (सीसीडीबी) का अध्यक्ष बनाया गया है। अप्रैल 2026 से अप्रैल 2028 तक के लिए यह एक बड़ी ज़िम्मेदारी है जो अंतरराष्ट्रीय इंटरनेशनल सूचना प्रोद्योगिकी सुरक्षा मानक निर्धारण में देश की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है। इस उच्च पद का निर्णय 14 से 16 अप्रैल 2026 के बीच टोक्यो, जापान में हुई कॉमन क्राइटेरिया रिकॉग्निशन अरेंजमेंट की पहली तिमाही की बैठक के दौरान किया गया। कॉमन क्राइटेरिया रिकॉग्निशन अरेंजमेंट एक मूलभूत अंतरराष्ट्रीय समझौता है जो सीमा पार आईटी सुरक्षा प्रमाणपत्रों को आपसी मान्यता देता है। उच्च स्तरीय नीति कमेटियों के अलावा, सीसीआरए खास वर्किंग समूहों और प्रशासनिक प्रोटोकॉल के ज़रिए कार्य करता है, जिन्हें कॉमन क्राइटेरिया पोर्टल की सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

युद्ध का मैदान बदल रहा इसलिए आने वाली जंगें हवा में हुआ करेंगीः एयर चीफ मार्शल

नई दिल्ली, 15 मई।

युद्ध का मैदान बदल रहा है इसलिए आने वाली जंगें हवा में हुआ करेंगी। यही वजह रही कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में पहली बार भारत–पाक संघर्ष के दौरान ड्रोन सबसे पसंदीदा हथियार बने। ड्रोन आने वाले रोबोटिक युद्ध का सिर्फ शुरुआती एक्शन हैं। आने वाले समय में तीनों सेनाएं एक ही एयर में ऑपरेट करेंगी। इसके लिए अंतरिक्ष में भी आपसी तालमेल होना चाहिए। हवा में युद्ध करने से ऑपरेशन के दौरान इंसानों की जान का खतरा कम होता है और कम कीमत ही युद्ध लड़ा जा सकता है।

इस तरह के विचार नई दिल्ली के एयरफोर्स ऑडिटोरियम में एक एयरोस्पेस पावर सेमिनार में शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने रखे हैं। स्वायत्त रक्षा थिंक टैंक सेंटर फॉर एयरपावर एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज के सहयोग से यह संयुक्त गोष्ठी आयोजित की गई। इस सेमिनार में वरिष्ठ सैन्य हस्तियों, क्षेत्र के विशेषज्ञों और विशिष्ट प्रतिभागियों को एयरोस्पेस क्षमता बढ़ाने में रखरखाव दक्षता और आत्मनिर्भरता की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार–विमर्श करने के लिए एक साथ लाया गया। इस सेमिनार में भारत की वायु सेना को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई नीतिगत रूपरेखाओं पर केंद्रित पैनल चर्चाएं हुईं। विशेषज्ञों ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के राष्ट्रव्यापी विजन के अनुरूप रखरखाव रणनीतियों को अपनाने पर अपने विचार साझा किए।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ड्रोन और अनमैन्ड एरियल (यूए) सिस्टम का यह विषय बहुत प्रासंगिक है, यह एक सच्चाई है। इसलिए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लड़ाई का मैदान बदल गया है। हम केंद्रित वायु शक्ति से विकेंद्रीकृत तक और स्वायत्त तरीके से शिफ्ट हो रहे हैं। हमें यह समझना होगा कि यूए सिस्टम हवाई शक्ति का ही विस्तार हैं। इस तरह के ऑपरेशन के दौरान इंसानी जान का खतरा भी कम होता है। जैसा कि मैंने कहा कि यह एयर पावर का ही एक्सटेंशन है, इसलिए जब आप यूए सिस्टम का इस्तेमाल करेंगे, तो एयर पावर के सभी नियम लागू होंगे। जब हम काउंटर यूए सिस्टम की बात करते हैं, तो यह चूहे–बिल्ली के खेल जैसा है।

वायु सेना प्रमुख ने कहा कि जब आप एक क्षेत्र में तकनीक विकसित करते हैं तो काउंटर प्रौद्योगिकी को भी उसके साथ विकसित होना पड़ता है क्योंकि इसी तरह से खेल खेला जा सकता है। मुझे लगता है कि हमने ऑपरेशन सिंदूर में काफी अच्छा किया है और यह इसलिए संभव था क्योंकि सेनाओं में आपसी तालमेल था। किसी केंद्रीय एजेंसी के सहयोग बगैर यह संभव नहीं होता। हमारे पास एक ढांचा है, ताकि हर बार हम इन चीजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने कहा कि श्इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लड़ाई का मैदान बदल गया है इसलिए हमें समझना होगा कि ड्रोन, काउंटर यूए सिस्टम और अनमैन्ड एरियल सिस्टम एयर पावर का ही हिस्सा हैं। वे इसलिए सफल हो रहे हैं क्योंकि उनमें एयर पावर की सभी अंदरूनी खूबियां हैं।

क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय डेंगू दिवस? जानें इससे बचने के उपाय

नई दिल्ली, 15 मई।

गर्मियों और बरसात के मौसम में मच्छरों का आतंक हर घर, हर गली में देखने को मिलता है. इस दौरान कई खतरनाक बीमारियों के फैलने का खतरा रहता है. इनमें से एक है डेंगू. यह एक जानलेवा वायरल संक्रमण है जो एडीज मच्छर के काटने से फैलता है. तेज बुखार, सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, त्वचा पर चकत्ते और कमजोरी इसके मुख्य लक्षण हैं. समय पर इलाज न हो तो यह प्लेटलेट्स की संख्या घटाकर स्थिति को गंभीर बना सकता है. हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है, ताकि लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया जा सके.

राष्ट्रीय डेंगू दिवस का दिन हमें सतर्क रहने की याद दिलाता है, क्योंकि रोकथाम इलाज से बेहतर है. क्लीवलैंड क्लिनिक के मुताबिक, हर साल लगभग 400 मिलियन लोग डेंगू से ग्रसित होते हैं. हालांकि ज्यादातर मामलों में लक्षण नहीं नजर आते. इसलिए जरूरी है कि समय रहते सही उपचार अपना लिया जाए. घर के आसपास पानी जमा न होने देना, पूरी बाजू के कपड़े पहनना और मच्छरदानी का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है. डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है, जैसे– कूलर, फूलदान, टंकी, या कोई भी खुला बर्तन जिसमें पानी जमा हो.

डेंगू का मच्छर काले रंग का होता है और उसके शरीर पर सफेद धारियां होती हैं. मच्छर के काटने के चार से सात दिन बाद डेंगू के लक्षण दिखने लगते हैं. इसमें कभी–कभी प्लेटलेट्स की संख्या बहुत कम हो जाती है, जिससे खून बहने की समस्या हो सकती है. यह स्थिति गंभीर हो सकती है और समय पर इलाज न मिले तो जानलेवा भी बन सकती है.

अगर किसी को डेंगू हो जाए, तो उसे ज्यादा से ज्यादा पानी, नींबू पानी, नारियल पानी, जूस, सूप और तरल चीजें देते रहना चाहिए. डॉक्टर की सलाह से पैरासिटामॉल दिया जा सकता है, जिससे बुखार और दर्द में राहत मिलती है. मच्छरदानी का इस्तेमाल जरूर करें. कुछ घरेलू उपाय जैसे पपीते के पत्ते का रस या गिलोय का काढ़ा लोग लेते हैं, हालांकि ये पूरी तरह कारगर है इसके प्रमाण नहीं मिले हैं. इन्हें लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें. डेंगू से पीड़ित मरीज बिना डॉक्टर की सलाह के दवाएं न लें और तला–भुना खाने से परहेज करें.

सरकार ने सोने के आयात पर 100 किलोग्राम की सीमा तय की

नई दिल्ली, 15 मई।

सरकार ने अग्रिम प्राधिकार योजना के अंतर्गत सोने के आयात पर एक सौ किलोग्राम की सीमा तय कर दी है। यह योजना आभूषण निर्यातकों को शून्य शुल्क पर कच्चे माल का आयात करने की अनुमति देती है। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक सार्वजनिक सूचना में कहा है कि इस योजना के तहत निर्यातक एक बार में अधिकतम एक सौ किलोग्राम सोना ही बिना किसी शुल्क के मंगा सकते है। महानिदेशालय ने पहली बार आवेदन करने वालो के लिए विनिर्माण संयंत्रों का भौतिक निरीक्षण अनिवार्य कर दिया है, ताकि उनकी परिचालन स्थिति और क्षमता का पता लगाया जा सके। इसमें यह भी कहा गया है कि दोबारा बिना शुल्क सोने के आयात के लिए कंपनी को अपने पिछले टारगेट का कम से कम 50 प्रतिशत निर्यात पूरा करना होगा। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए क्षेत्रीय कार्यलय को हर महीने इसकी रिपोर्ट निदेशालय को सौंपनी होगी। इससे पहले, इस योजना के अंतर्गत सोने के आयात पर कोई सीमा नहीं थी।

खेल मंत्री ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की तैयारी की समीक्षा के लिए हुई बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली, 15 मई।

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारत की तैयारियों का आकलन करने के लिए एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में स्टेकहोल्डर्स के बीच आसान तालमेल पक्का करने और कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की तैयारी कर रहे भारतीय एथलीटों के लिए सपोर्ट सिस्टम को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

बैठक में युवा मामले और खेल मंत्रालय के सीनियर अधिकारी, इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के प्रतिनिधि, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के शेफ डी मिशन, और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के अधिकारी शामिल हुए।

मंत्रालय की रिलीज के मुताबिक, समीक्षा बैठक में ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के कैंपेन के लिए पूरी तैयारी पक्का करने के लिए मंत्रालय, आईओए, साई, गुजरात सरकार और जुड़े स्टेकहोल्डर्स की प्रतिबद्धता पर फिर से सहमति जताई गई। बैठक के दौरान, खेल मंत्री ने भारत के कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 कैंपेन से जुड़ी एथलीट की तैयारी, ट्रेनिंग, लॉजिस्टिक्स, कल्याण और समन्वय का आकलन किया।

डॉ. मांडविया ने जोर दिया कि सरकार भारतीय एथलीटों को खेल में अपने सबसे ऊंचे स्तर पर प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए हर मुमकिन सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने देश के लिए एक सफल कैंपेन पक्का करने के लिए समय पर योजना, एजेंसियों के बीच तालमेल और एथलीट–आधारित तैयारी के महत्व पर भी जोर दिया।

बैठक में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी से जुड़ी तैयारियों पर भी चर्चा हुई, जिसके दौरान भारत को गुजरात के अहमदाबाद में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के मेजबान के तौर पर आधिकारिक तौर पर बैटन मिलेगी।

इसे देखते हुए, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी और गुजरात सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भी समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में ग्लासगो 2026 के लिए ऑपरेशनल और लॉजिस्टिक तैयारियों के बारे में खेल सचिव और अलग–अलग मंत्रालयों और विभागों के प्रतिनिधियों के द्वारा किए जा रहे अंतर–विभागीय मंत्रालयों के समन्वय के प्रयासों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी से जुड़ी तैयारियों पर भी चर्चा हुई, जिसके दौरान भारत को गुजरात के अहमदाबाद में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के मेजबान के तौर पर आधिकारिक तौर पर बैटन मिलेगी।